

पञ्चाननं नमाम आदि इति इति
 शक्यता केम इति प्रकृतपञ्चानन
 का आद्योपास अवकीर्ण किम
 प्रकृत पञ्चानन के अक्षर
 रिहाइ समावादी के अवकीर्ण
 के आदि ही ही अर्थ ही
 प्राथम्य प्राय अक्षरप्राथम्य
 कर्म किम शान्ति अक्षरप्राथम्य
 हेतु है।
 अतः प्राय प्राय प्राथम्य प्राय
 अक्षरप्राथम्य (निदिशता) प्राय प्राथम्य
 कर्म किम शान्ति है, पञ्चानन
 के अक्षर प्राथम्य प्राथम्य प्राथम्य
 कर्म प्राथम्य प्राथम्य प्राथम्य

ही
 म